UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 9 हिन्द महासागर में छोटा – सा हिंदुस्तान (मंजरी)

वहाँ जो कुछ ..... ठहरे होंगे।

संदर्भ – प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के 'हिन्द महासागर में छोटा-सा हिन्दुस्तान' नामक पाठ से लिया गया है। इसके रचयितां राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।

प्रसंग – लेखक मॉरीशस की यात्रा पर जाते हुए अफ्रीका में एक दिन के लिए रुका। उसके मन में अफ्रीका के शेरों से मुलाकात करने की इच्छा जाग्रत हुई।

व्याख्या – काफी देर तक गाड़ी दौड़ाने के बाद लेखक और उसके साथी पर्यटक ऐसे स्थान पर पहुँचे, जहाँ सिंह आराम कर रहे थे। यह स्थान नैरोबी का नेशनल पार्क था, जो एक चिड़ियाघर न होकर एक जंगल था, जिसमें घास अधिक और पेड़ कम थे। घास पर सात-आठ सिंह लेटे हुए आराम कर रहे थे और उनके चारों तरफ पर्यटकों की मोटरें खड़ी थीं। उनके भीतर लोग शीशे चढ़ाकर बैठे सिंहों को देख रहे थे, लेकिन सिंह उनकी परवाह न करके लेट रहे थे, मानो उपस्थित व्यक्ति उनकी नजर में कुछ भी न हों। आधे घंटे तक लेखक यह चिरस्मरणीय दृश्य देखता रहा।

फिर यह भी बात ..... क्यों खड़े थे।

संदर्भ – पूर्ववत् ।

प्रसंग – लेखक और उसके साथी पर्यटक मोटरगाड़ी में बैठकर नैरोबी नेशनल पार्क में सिंहों को देखने गए। उन्होंने सात-आठ शेरों को आराम करते देखा। शेरों से एक किमी दूर हिरणों का झुण्ड भी देखा। शेरों को देखकर कुछ हिरण भागे और कुछ घेरा बनाकर खड़े रहे।

व्याख्या – अभी अँधेरा नहीं हुआ था। सिंह सूर्यास्त के बाद ही शिकार करता है। दूसरी बात सिंहों के शिकार के विषय में यह है कि वे कभी झुण्ड का शिकार नहीं करते, बल्कि उनमें से जो हिरण पीछे रह जाता है, वे उसका शिकार करते हैं। इस बात से लेखक समझ गया कि हिरणों का झुण्ड घेरा बनाकर क्यों खड़ा रहा और तितर-बितर होकर भागा नहीं, क्योंकि उन्हें आपसी सुरक्षा का ध्यान था।

पाठ का सर (सारांश)

यह पाठ राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' का यात्रा वृत्तांत है, जिसमें मॉरीशस के सौंदर्य और वहाँ फैली भारतीय संस्कृति का वर्णन किया गया है।

मॉरीशस में सड़सठ प्रतिशत भारतीय मूल के लोग हैं, जिनमें अधिकतर बिहार और उत्तर प्रदेश के हैं। इनकी भाषा भोजपुरी है, जिसमें फ्रेंच भाषा के संज्ञापद शामिल हैं। मॉरीशस में हिन्दू संस्कृति की रक्षा का काम तुलसीकृत रामचरितमानस ने किया है। मॉरीशस कृषि प्रधान देश है। चीनी यहाँ का प्रमुख और एक मात्र उद्योग है।

https://www.evidyarthi.in/

मॉरीशस भूमध्यरेखा से 20 अंश दक्षिण में है और इसका कोई भी हिस्सा समुद्र से पन्द्रह मील से ज्यादा दूर नहीं है। इसका क्षेत्रफल 1150 वर्ग किमी० है। यह हिन्द महासागर का खूबसूरत सितारा है। यहाँ के भारतीय अत्याचार सहकर भी अपने धर्म पर डटे रहे और इस द्वीप को उन्होंने छोटा-सा हिन्दुस्तान बना डाला, जिस पर सभी भारतीयों को गर्व होना चाहिए।

मॉरीशस के प्रत्येक ग्राम में शिवालय होता है, जहाँ ढोलक और झाँझ पर गायन करते हुए लोग तुलसीकृत रामचरितमानस का पाठ करते हैं। यहाँ के लोग मन्दिरों और शिवालयों को बहुत स्वच्छ रखते हैं।

मॉरीशस में परी तालाब एक तीर्थ और पिकनिक स्थान है। शिवरात्रि पर श्वेत वस्त्र धारण करके कंधों पर काँवरें लिए लोग परी तालाब का जल ले जाकर शिवालय में शिव जी पर चढ़ाते हैं। सभी वयस्क उजली धोतियाँ, कमीजें और गाँधी टोपियाँ पहनते हैं। परी तालाब पर यह मेला मॉरीशस के प्रमुख पर्वों में से एक है। इसे देखने अन्य धर्मों के लोग काफी संख्या में आते हैं।

https://www.evidyarthi.in/